

## नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

चीनी विदेश मंत्री की हालिया भारत यात्रा द्विपक्षीय संबंधों में जमी बर्फ पिघलाने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। लद्दाख की पहलियों से लेकर ब्रह्मपुत्र के जल तक और वैश्विक मंचों से लेकर व्यापारिक गलियारों तक, दोनों देशों ने अनेक मुद्दों पर बातचीत की और समझौते किए। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये सहमतियाँ स्थायी विश्वास और व्यवहारिक सुधार में बदल पाएंगी? इनमें सबसे महत्वपूर्ण पहलू सीमा विवाद है।

दरअसल, निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान खोजने की सहमति अपने आप में एक सकारात्मक संकेत है। डल्हौलीसीसी के तहत विशेषज्ञ समूह और कार्यकारी समूह की स्थापना बताती है कि दोनों पक्ष धीरे-धीरे संरचनात्मक संवाद की ओर बढ़ना चाहते हैं। परंतु अनुभव बताता है कि वास्तविक प्रगति तभी होगी जब जमीनी

## द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के संकेत

स्तर पर शांति और स्थिरता सुनिश्चित हो। गश्ती दलों के बीच टकराव या अंधरी सहमति से इस प्रक्रिया की नींव कभी भी उगमना सकती है। बहरहाल, व्यापार और आर्थिक सहयोग की दिशा में उठाए गए कदम अधिक उल्लेखनीय हैं। लिपुलेख, शिपकी ला और नाथू ला के जरिए सीमा व्यापार का फिर से आरंभ होना न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए, बल्कि विश्वास बहाली के लिए भी महत्वपूर्ण है। भारत-चीन व्यापार संबंधों में आज भी भारी असंतुलन है। इस संदर्भ में निवेश प्रवाह और संवाद तंत्र को पुनर्जीवित करना जरूरी है, ताकि आर्थिक साझेदारी केवल आंकड़ों तक सीमित न रहकर समानता और पारदर्शिता पर आधारित हो। लोगों से लोगों के संपर्क बढ़ाने पर सहमति, सीधी

उड़ानें, वीजा प्रक्रिया में सुगमता, और कलाशा-मानसरोवर यात्रा का विस्तार, सांस्कृतिक और धार्मिक जुड़ाव को मजबूती देगा। यह वह क्षेत्र है जहां राजनीति की कठोरता को समाज और संस्कृति की गर्माहट उल्लेखनीय है। लिपुलेख, शिपकी ला और नाथू ला के जरिए सीमा व्यापार का फिर से आरंभ होना न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए, बल्कि विश्वास बहाली के लिए भी महत्वपूर्ण है। भारत-चीन व्यापार संबंधों में आज भी भारी असंतुलन है। इस संदर्भ में निवेश प्रवाह और संवाद तंत्र को पुनर्जीवित करना जरूरी है, ताकि आर्थिक साझेदारी केवल आंकड़ों तक सीमित न रहकर समानता और पारदर्शिता पर आधारित हो। लोगों से लोगों के संपर्क बढ़ाने पर सहमति, सीधी

साझेदारी को तभी गंभीरता से लेगा जब राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता के मुद्दों पर चीन पारदर्शी रुख अपनाए।

निस्संदेह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी विदेश मंत्री की मुलाकात तथा एसीओ सम्मेलन में भागीदारी का आश्वासन यह संकेत देता है कि दोनों देश संवाद से दूर नहीं भागना चाहते। लेकिन इस संवाद का वास्तविक परीक्षण सीमा की बर्फीली चौकियों, ब्रह्मपुत्र के जल और व्यापार संतुलन की कसीटी पर होगा। कुल मिलाकर, भारत-चीन संबंधों में यह यात्रा एक नया अध्याय खोलने का अवसर है। समझौते स्वागत योग्य हैं, लेकिन इतिहास ने सिखाया है कि कागजी वादों से अधिक अहम जमीनी भरोसा और दीर्घकालिक पारदर्शिता होती है। भारत को सतर्क रहते हुए इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाना होगा, न तो अति-आशावाद के साथ और न ही अविश्वास की जकड़न में।

दिल्ली डायरी

## उपराष्ट्रपति उम्मीदवार के सहारे दक्षिण साधने में जुटे दोनों समूह



प्रवेश कुमार मिश्र

उपराष्ट्रपति चुनाव में राजग और इंडिया समूह द्वारा दक्षिण भारतीय राजनीति को केन्द्र में रखकर न सिर्फ उम्मीदवार का चयन किए हैं बल्कि दक्षिण व

उत्तर के बीच बढ़ती दूरियों को कम करने की कोशिश की गई है। चर्चा है कि राजग द्वारा जहां एक तरफ तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी डीएमके के सामने तमिल अस्मिता को आगे रखकर चुनाव में वोट देने को बाध्य करने की रणनीति बनाई गई है वहीं दूसरी ओर इंडिया समूह द्वारा संयुक्त आंध्र प्रदेश यानी मौजूदा आंध्र व तेलंगाना की राजनीति को साधते हुए टीडीपी जैसे दल के सामने भी क्षेत्रीय अस्तित्व को बचाने के क्षेत्र विशेष से संबंध रखने वाले उम्मीदवार का सीधे विरोध नहीं करने को बाध्य किया गया है। हालांकि इन सबके बावजूद जो दिख रहा है उससे साफ है कि लड़ाई आरंभिक दिनों से ही राजग उम्मीदवार के पक्ष में है।

## चुनाव आयोग व राहुल गांधी आमने-सामने

वोट चोरी के आरोप के सहारे कांग्रेस नेता राहुल गांधी जहां एक तरफ चुनाव आयोग पर सीधा हमला करते हुए मौजूदा सरकार को कठघरे में खड़ा करने के प्रयास में जुटे हैं वहीं दूसरी ओर चुनाव आयोग ने संभवतः पहली बार आक्रामकता के साथ आरोपों का बिंदूवार जवाब देकर राहुल गांधी के सामने हलफनामा या माफी की शर्त रखकर हलचल मचा दिया

## आरएसएस की तारीफ पर राजनीति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सौ वर्षों से लगातार किए जा रहे सेवा भावना का तारीफ किए जाने के बाद राजनीति आरंभ हो गई। कांग्रेस पार्टी ने इस कदम को संघ को खुश करने की हताशा कोशिश बताया है। कांग्रेस नेताओं ने मोदी के इस कदम को स्वतंत्रता संग्राम की भावना का अपमान और इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का प्रयास करार दिया। हालांकि दिल्ली की राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि संघ व भाजपा के बीच चल रहे कथित मतभेद को दूर करने का मोदी द्वारा अभूतपूर्व प्रयास किया गया है। कहा जा रहा है कि इस प्रयास के बाद जल्द ही संघ की ओर से भाजपा के नए अध्यक्ष के नाम पर सहमति बन जाएगी।

है, पक्ष व विपक्ष के अपने अपने तर्कों के बीच संवैधानिक संस्था पर लगाए गए आरोपों को लेकर दिल्ली की राजनीतिक गलियारों में खुब चर्चा हो रही है।

जहां एक तरफ कुछ स्वयंसेवी संस्थाएं राहुल गांधी के राजनीतिक प्रयोग को उचित मान रहे हैं वहीं दूसरी ओर ज्यादातर राजनेता व विचारक इसे गैरवाजिब मान रहे हैं। कांग्रेस के भी कुछ नेता इस तरह चुनाव आयोग पर हमलावर होने की रणनीति को बेहतर नहीं मान रहे हैं। उनका तर्क है कि संवैधानिक संस्थाओं पर हमले से अविश्वास का माहौल बनेगा और इसका खामियाजा किसी अन्य से पहले राजनीतिक दलों की ही भुगतना पड़ेगा।

## वोट अधिकार यात्रा के माध्यम से बिहार में पांव जमाने का प्रयास



तेजस्वी यादव को अपने साथ जोड़कर राहुल गांधी माहौल बनाने में जुटे हैं।

वोट अधिकार यात्रा के माध्यम से राहुल गांधी इन दिनों बिहार में अपनी राजनीतिक पांव जमाने के प्रयास में जुटे हैं। चर्चा है कि कर्नाटक में भारत जोड़ो यात्रा के सफल प्रयोग को ध्यान में रखते हुए वोट अधिकार यात्रा निकालने की योजना बनाई गई है। हालांकि राहुल गांधी इस यात्रा को लेकर कहा जा रहा है कि यह हड़बड़ी में लिया गया निर्णय है क्योंकि जिस एस आई आर के माध्यम से वोट चोरी की बात हो रही है उसकी प्रक्रिया अभी समाप्त नहीं हुई है बल्कि सुधार की प्रक्रिया जारी है फिर भी एक सोची-समझी रणनीति के जनता के बीच

## विकसित भारत के लिए मोदी का टारस्क फोर्स



हरदीप एस पुरी

मुझे अपने स्कूल के दिनों से ही 15 अगस्त के भाषणों में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त होता रहा है, लेकिन शुरुआत को प्रधानमंत्री मोदी का 12वें स्वतंत्रता दिवस का भाषण

अभूतपूर्व और असाधारण था। इसमें विकसित भारत के पथ पर भारत की गति बढ़ाने के दिशा में सीधे तौर पर लक्षित-ब्रह्मस्त्र- अर्जुन का अकाट्य पौराणिक अस्त्र- छोड़ा गया।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्यापक असामान्य उथल-पुथल के दौर के बीच, विकसित भारत का सपना संजोए भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में निरंतर आगे बढ़ना जारी रखे हुए है। यह भाषण केवल अपनी व्यापकता के लिए ही नहीं, बल्कि अपने दायरे— साहसिक, भविष्यमुखी और 1.4 बिलियन लोगों के भाग्य को नया आकार देने में सक्षम अगली पीढ़ी के सुधारों—और उस विजन के प्रति स्पष्टता के लिए भी उल्लेखनीय है, जिसका यह राष्ट्र इससे पहले कभी साक्षी नहीं रहा।

उदाहरण के लिए, डिजिटल इंडिया स्ट्रेक को ही ले, यूपीआई दुनिया के आधे रीयल-टाइम लेनदेन के लिए उत्तरदायी है और साल के अंत तक होने वाला, पहली मेड-इन-

महत्वाकांक्षा को वास्तविकता में बदलने के लिए प्रधानमंत्री ने अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए एक टारस्क फोर्स का गठन किया है—इस निकाय को आर्थिक गतिविधियों के पूरे इकोसिस्टम को नया रूप देने के लिए बनाया गया है। इसका अविदेशित जितना साहसिक है, उतना ही लंबे अरसे से अपेक्षित भी है—हमारे स्टार्टअप और एमएसएमई पर बोझ डालने वाली अनुपालन लागत में कटौती करना, उद्यमों को निरंतर मनमानी कार्रवाई की छाया में रहने से छुटकारा दिलाना, तथा जटिल कानूनों को सरल, पूर्वानुमानित और व्यवस्थित ढांचे में ढालना। 15 अगस्त को घोषित सुधार, केवल अगले दिन की सुखियों के लिए नहीं, बल्कि 2047 के भारत से संबंधित हैं। जैसा कि प्रधानमंत्री ने हमें याद दिलाया, दुनिया एक प्राचीन सभ्यता को— अपनी जड़ों को त्यागकर नहीं, बल्कि उनसे शक्ति प्राप्त करके आधुनिक शक्ति में तब्दील होते हुए देख रही है।

इंडिया चिप का लॉन्च, वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की अग्रणी स्थिति को दर्शाता है। ऐसे समय में जब राष्ट्रीय की नियति सेमीकंडक्टर निर्धारित करते हैं, महत्वपूर्ण तकनीकों पर संप्रभुता का भारत का यह दावा किसी डिजिटल स्वराज से कम नहीं है।

ऊर्जा सुरक्षा लंबे समय से भारत के विकास की राह की सबसे बड़ी कमजोरी रही है। दशकों तक, झिझक और 'नो गो' क्षेत्रों ने अन्वेषण को बाधित किया और आयात पर निर्भरता बढ़ा दी। वह दौर अब बीत चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने ईईजेड में 'नो गो' क्षेत्रों को लगभग 99 तक कम कर दिया है, जिससे 10 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र ईएंडपी के लिए मुक्त हो गया है। ओएएलपी के साथ, इसने भारतीय और वैश्विक दिग्गजों, दोनों के लिए समान रूप से एक विशाल क्षेत्र खोल दिया है—हमारे

हाइड्रोकार्बन बेसिन अब निष्क्रिय नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय प्रगति के लिए उपयोग में लाए जाएंगे।

लाल किले की प्राचीर से घोषित ऐतिहासिक राष्ट्रीय गहरे जल अन्वेषण मिशन, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में एक महत्वाकांक्षी दूरदर्शी एजेंडा निर्धारित करता है। इस मिशन का लक्ष्य लगभग 40 वाइल्डकेट कुओं को ड्रिलिंग के माध्यम से 600-1200 मिलियन मीट्रिक टन तेल और गैस भंडारों का पता लगाना है। पहली बार, इथेनॉल मिशन को तिरुगोटा 85 स्कैल-अप एक नए ग्रामीण-औद्योगिक आधार का निर्माण कर रहे हैं। एएएनजी के बुनियादी ढांचे का विस्तार जारी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि असेंय परमाणु ऊर्जा को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया गया है।

लेखक केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं।

साथ ही, ऊर्जा परिवर्तन के क्षेत्र में भारत वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनकर उभरा है। भारत 2030 के लक्ष्य से पाँच साल पहले ही 2025 तक 50% स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य तक पहुँच गया है। जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन प्रायोगिक स्तर से उत्पादन की ओर बढ़ रहे हैं; इथेनॉल मिशन को तिरुगोटा 85 स्कैल-अप एक नए ग्रामीण-औद्योगिक आधार का निर्माण कर रहे हैं। एएएनजी के बुनियादी ढांचे का विस्तार जारी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि असेंय परमाणु ऊर्जा को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया गया है।

लेखक केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं।

## देश को मिलनी चाहिए थी और ऊंची क्रेडिट रेटिंग

लगभग 2 दशक बाद वैश्विक रेटिंग एजेंसी एस एंड पी ने भारत की क्रेडिट रेटिंग बीबीबी माइनस से ऊपर उठाकर बीबीबी कर दी। इसने भारत को श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली इकोनॉमी माना है तथा वित्त वर्ष 2022 से 2024 तक की भारत की 8.8 प्रतिशत

विकास दर 6.8 प्रतिशत बनी रहेगी। रेटिंग एजेंसी ने अपने आकलन में कजूसी बरती। भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार स्थायी वित्तीय प्रगति है। भारत अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्व पूरे करने में सदैव आगे रहता है। पिछले 3 केंद्रीय बजट में भारत ने

अपने लक्ष्य हासिल करते हुए बेहतर कामकाज का प्रदर्शन किया है। कोविड के बाद फिर से भारत ने जीडीपी में वृद्धि दर हासिल कर दिखाई। भारत में सरकारी खर्च और जीडीपी के बीच 83 प्रतिशत का अनुपात या रेश्यो है। इसके विपरीत अमेरिका में यह रेश्यो 124 प्रतिशत, फ्रांस में 110 प्रतिशत, यूके में 96 प्रतिशत और जापान में 230 प्रतिशत से अधिक है। फिर भी इन प्रगत अर्थव्यवस्थाओं को उच्च निवेश ग्रेडिंग हासिल है। अमेरिका में कोविड से पहले फेडरल डेट (संघीय कर्ज) 27.9 खरब डॉलर था जो अब बढ़कर 37 अरब डॉलर हो चुका है। इन पर वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने अमेरिका को एए प्लस की ऊंची रेटिंग दे रखी है।

एम. पी. मिश्रा

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्दी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाल

CROSS WORD 11999 - डॉ. सागर खादीवाल

1	2	3	4
		5	
	6		
	7		8
9		10	
11			12
13		14	15
16			17

बूटी जो दवा के काम आती है 7. क्रांतिकारी परिवर्तन, एक शरीर या रूप का दूसरे शरीर या रूप में पलटना 8. फूल जैसे कोमल और मृदुल अंगों वाला (वाली), एक रेशमी कपड़ा (उर्दू) 9. शक्ति, कमजोर, निराश 10. घर, मकान 15. अपराध (उर्दू)

Solution 11998

नि	गु	ल	कं	द	घं
शा	दी	ता	जा	पा	टी
बा	दा	दाँ	त		
गु	र	सा	ला	क	टु
सा	वि	फ	ल	ता	क
हू	क	क	मं		
खो	ल	ट	क	ना	पा
ना	ता	प	द	धा	न

बाएँ से दाएँ  
1. गौतम बुद्ध के पिता का नाम 5. बेरोक, स्वच्छंद (सं.) 6. राधाधिराज 7. काम, कार्य, बतनहोल 8. विशेषता, निजी स्वभाव 9. ताज (उर्दू) 10. अर्थ, दो समान भागों में से एक 11. तपस्वी, तपस्या करने वाला 12. कुर्बानी 13. शक्ति, ताकत 14. दूसरा वेद 16. बातचीत का बनावटी ढंग 17. आकाश, आसमान

ऊपर से नीचे  
1. पवित्रता (सं.) 2. युधिष्ठिर 3. डेर, जमाव 4. बटना 5. असंगम नामक

## ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में अनावश्यक वाद विवाद होगा. मन में तनाव रह सकता है. व्यर्थ चिन्ताओं से कार्य में व्यवधान आयेगा. व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी. आकस्मिक क्रोध की स्थिति बन सकती है. शुभ समाचार प्राप्त होने का योग है. वर्ष के अन्त में नये स्त्रोतों में वृद्धि होगी. रूके कार्यों में गति आयेगी. धार्मिक कार्यों में व्यय होगा. मेघ और वृद्धिक राशि के व्यक्तियों को आय के नवीन स्रोतों में वृद्धि होगी.

वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का अधिकारी के सहयोग से लाभ होगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को अनावश्यक विवाद हो सकता है. सिंह राशि के व्यक्तियों के रूके कार्यों में गति आयेगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को शुभ समाचार मिलेगा. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को व्यर्थ का वाद विवाद से मुक्ति मिलेगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को भागदौड़ अधिक होगी. अत्याधिक क्रोध की स्थिति न आने दें.

वृषभ- कोटि कचहरी के मामलों में दूर रहें. सामाजिक प्रतिष्ठा तथा लाभदायक काम बनेंगे. मित्रता उपयोगी सिद्ध होगी. मन्त्र-जंत्र के अवसर मिलेंगे. मिथुन- भावी लाभ की दृष्टि से नई योजना में निवेश कर सकते हैं. केरियर की अन्वेषण न करें. लाभदायक स्थितियों का विस्तार होगा. नये कार्य को टालना हितकर रहेगा. कर्क- महत्वपूर्ण लाभदायक प्रस्ताव हाथ से निकल सकते हैं. भूमि भवन संबंधी मामले सुलझेंगे. कार्यों में मनोविक्षिप्त सफ़लता मिलेगी. रूका हुआ पैसा प्राप्त हो सकता है.

सिंह- आर्थिक स्थिति में उतार चढ़ाव होने से महत्वपूर्ण फैसला लेने में देरी होगी. आपक बने बनाये कार्य अचानक रूक सकते हैं, जिससे मानसिक पीड़ा होगी. कन्या- भावनात्मक संबंधों को लेकर असमंजस रहेगा. जरूरत मंदों को मदद करने से नवीन अनुभवों पर विचार विमर्श होगा. दूर दराज की यात्रा होगी. तुला- कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे. लेनदेन में सावधानी रखें. अधिकारियों से अनुभवों का लाभ मिलेगा. परिश्रम तथा भागदौड़ की अधिकता रहेगी. वृश्चिक- युवावर्ग वैवाहिक चर्चाओं से उत्साहित रहेंगे. रिश्ते मजबूत होंगे. आपक व्यापार व्यवसाय तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. अनावश्यक परिश्रम करना होगा.

धनु- स्वास्थ्य संबंधी परेशानी से छुटकारा मिलेगा. सोच विचार कर निर्णय करें. नौकरी में कार्यों में अचानक रुके रहेंगे. व्यापारिक क्षेत्र में यथेष्ट सफ़लता के योग है. मकर- जल्दबाजी के बजाय सोच विचार कर निर्णय करें. नौकरी में कार्यों में प्रतिष्ठित पद प्राप्त होगा. धार्मिक कार्यों में रूचि रहेगी. व्यापारिक यात्रा का प्रोग्राम बन सकता है. कुम्भ- बड़ी सौदा करने के लिये छोटी बातों को नजरअंदाज न करना पड़ेगा. आपकी बुद्धिमानी तथा सूझबूझ से बिगड़े काम बन जायेंगे. परिश्रम अधिक रहेगा. मीन- लोगों के साथ तालमेल बैठकर चलने का प्रयास करें. कार्यों में आशातीत सफ़लता के योग प्रबल है. महत्वपूर्ण प्रयासों में सफ़लता मिलेगी.

आज जन्म शिशु का भविष्य आज जन्म लिया बालक स्वस्थ, सुन्दर, हृष्टपुट मिलनसार होगा. इसके मित्रों की संख्या सीमित होगी. खेलों के प्रति रूचि रखने वाला, न्यायप्रिय होगा. किसी विशेष विद्या का ज्ञाता होगा.

उत्पत्तिकालीन ग्रह चाल

8	के.7 सू.	6	5
9	चं.सू.	4	
10	श.	3	
11	1	2	
12	12		

पंचांग

रा.मि. 30 संवत् 2082 भाद्रपद कृष्ण त्रयोदशी गुरुवासरे दिन 12/36, पुष्य नक्षत्रे रात 1/6, व्यतिपात योगे शाम 6/12, वणिज करणे सू.उ. 5/36 सू.अ. 6/24, चन्द्रचार कर्क, पर्व- मासशिवरात्रि व्रत, शु.रा. 4,6,7,10,11,2 अ.रा. 5,8,9,12,1,3 शुभांक- 6,8,2.

व्यापार भविष्य

भाद्रपद कृष्ण त्रयोदशी को पुष्य नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, रूई, कपास, सूत, खल, बिनोला, सन, सरसों, अरंडी, मूँगफली, तेल, घी, में मंदी की चाल चलेगी. गेहूँ, चना, गुड, खांड, जायफत्त, हल्दी के भाव में तेजी होकर नरमी का रूख रहेगा. भाग्यांक 2489 है.

SUDOKU 7131

9	2	4	1	7	
1				6	
5	7	3	2		4
			9	4	8
4	7				6
	5	8	3		
3			6	5	9
6					7
9	1	8	2		4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. पहली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सुडोकू 7130

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2